किशोर दत्त
मुख्य प्रबंधक
सीसी व सीएसआर
आई ओ सी एल (ए ओ डी)
डिगबोई

<u>डिगबोई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक</u>

दिनांक 18/09/2014 दिन बृहस्पतिवार को अपराहन् 2.30 बजे से ए ओ डी के प्रशासनिक परिसर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता,श्री अमिताभ मिश्र, महाप्रबंधक (टी), आई ओ सी एल (ए ओ डी) ने की । उक्त बैठक में सम्पूर्ण नगर में हिन्दी के प्रचार प्रसार को और बढ़ाने तथा नराकास के सदस्यों का मार्गदर्शन करने के लिए उप निदेशक, कार्यान्वयन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से डॉ बी के सिंह को गुवाहाटी से आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने समयानुसार पहुंचकर नराकास सदस्यों का मार्गदर्शन किया तथा उनके राजभाषा के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के लिए सराहना की । उन्होंने भविष्य में और भी निष्ठा एवं लगन भाव से सेवा करते रहने की उम्मीद जताई । बैठक में नराकास की प्राय: सभी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सर्वप्रथम, श्रीमती सबीना चौधुरी, प्रबंधक (सी सी व हिन्दी) तथा सचिव, डिगबोई नराकास ने नरकास की इस बैठक में सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया । श्री अमिताभ मिश्र, महाप्रबंधक (टी), आई ओ सी एल (ए ओ डी) ने प्रभारी अध्यक्ष, डिगबोई नराकास ने अनुसंधान अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ बी के सिंह को फूलम गामोछा पहनाकर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया । उसके उपरांत सभी उपस्थित सदस्यों ने अपना अपना औपचारिक परिचय दिया । श्री राजीव कलिता, प्रबंधक (मानव संसाधन) आई ओ सी एल (एओडी) तथा उपाध्यक्ष, डिगबोई नराकास ने सदस्यों की तदाद को लेकर खुशी जाहिर की । उन्होंने अपने संक्षिप्त वक्तब्य में बैठक के उद्देश्य की व्याख्या की तथा सरकारी कामकाज हिन्दी में करने और जहॉ तक हो सके हिन्दी को बढ़ावा देने पर जोर दिया । श्री अमिताभ मिश्र ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा हिन्दी का इसका प्रचार व प्रसार पूरे डिगबोई शहर में करने के लिए केवल ए ओ डी को नहीं नराकास के सभी सदस्यों से अपनी अपनी भूमिका निभानी होगी तभी हम राजभाषा के राष्ट्र स्तर के लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे । इसके उपरांत नराकास के सभी सदस्यों ने पिछली छमाही में अपने-अपने यहां हुए हिन्दी के विकास के बारे में जानकरी प्रदान की ।

सेन्ट्रल बेंक ऑफ इंडिया तथा भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधियों ने प्राज्ञ, प्रबोध व प्रवीण आदि परीक्षाओं का केन्द्र डिगबोई को बनाने का सुझाव दिया ताकि उनके परीक्षार्थियों को मुश्किलों का सामना न करना पड़े । इसपर डॉ बी के सिंह ने राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय के उप निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, गुवाहाटी को लिखने की सलाह दी ।

डॉ बी के सिंह ने अपना मन्तब्य प्रकट करने से पहले सभी को हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा और माह के उपलक्ष्य में बधाई दी । उन्होंने कहा कि अंगेजी की तुलना में हिन्दी में कार्य करना बहुत ही आसान है परन्तु हम राजभाषा, मातृभाषा तथा राष्ट्रभाषा की दुविधा में पड़ जाते हैं । इससे हमें भाषा कठिन प्रतीत होने लगती है और हम राजभाषा से भागने लगते हैं । उन्होने स्पष्ट किया कि राजभाषा बिल्कुल आसन है जिसमें हमें व्याकरण का ध्यान नहीं देना पड़ता । इसमें हम हिन्दी के कठिन शब्दों की जगह किसी भी भाषा के सरल एवं प्रचलित शब्दों को ग्रहण कर उसे देवनागरी लिपि में लिख दें, तो वह हिन्दी मानी जाएगी । उहोंने अंग्रेजी समेत कुछ अन्य भाषाओं का भी उदाहरण दिया जिनमें किसी दूसरी भाषाओं के शब्द प्रचलित हैं और भारी मात्रा में उनका प्रयोग हो रहा है । उनका कहना था कि जो भाषा शब्दों को ग्रहण करने में लचीली नहीं होती वह मर जाती है । हमारी संस्कृत भाषा इतनी सुन्दर थी परन्तु वह अपने कठोर व्याकरण तथा लचीलेपन के अभाव में आज मृत घोषित हो चुकी है । उनका कहना था कि ज्ञानका आदान प्रदान जारी है । आज भी नए शब्द आ रहे हैं । ऐसे में आवश्यकता है कि हम हिन्दी को जितना सकते हैं सरल बनाने का प्रयास करें । हम कवि, कथाकार या लेखक नहीं बनाना चाहते । हमारा मकसद केवल इतना है कि हमारा हर कर्मचारी सुगमता से हिन्दी में कार्य कर सकें ।

श्री रोशन पाण्डेय ने राजभाषा को जमीनी स्तर तक विकसित करने के लिए नराकास संस्थाओ के लिए पुरस्कार प्रदान करने का सुझाव दिया । उनका कहना था कि डिगबोई नरकास की सभी संस्थाओं का मुआना किया जाए और जहां हिन्दी का कार्य सर्वोत्तम दिखे उस संस्था को पुरस्कृत किया जाए । इससे सभी संस्थाएं हिन्दी के विकास की ओर ध्यान देंगी । इसपर श्री पपिन्दर सिंह ने उन बिन्दुओं को स्पष्ट करने को कहा जिसके आधर पर मुआना किया जाएगा और उन्हें अंक प्रदान किए जाएंगे । श्री रोशन पाण्डय ने इस प्रपत्र को बनाने की जिम्मेदारी स्वयं ग्रहण की और कहा कि वे इस प्रपत्र को बनाकर भेज देंगे ।

श्रीमती सबीना चौधरी ने सभा कों सफल बनाने के लिए सभी उपस्थित अधिकारियों तथा सदस्यों को धन्यवाद दिया तथा राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्ति की घोषणा की गई ।

इसके उपरांत हिन्दी माह के तहत नराकास के सदस्यों के बीच " लिखित क्विज प्रतियोगिता" करवाई गई, जिसमें नराकस के सभी सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया । श्रीमती सबीना चौधरी ने भविष्य में भी उनसे ऐसे ही सहयोग की कामना की ।

<u>आई ओ सी एल (एओडी) में हिन्दी माह का आयोजन</u>

भारत सरकार के राजभाषा विभाग के आदेश के अनुपालन में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (असम ऑयल डिवीजन), डिगबोई में 01 सितम्बर 2013 से 30 सितम्बर 2014 तक हिन्दी माह का आयोजन परंपरागत रूप से किया गया । हम सभी जानते हैं कि 14 सितम्बर का दिन पूरे भारत में हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है । इस अवसर पर हमारी आई ओ सी (ए ओ डी) के प्रशासनिक परिसर में एक बैठक आयोजित की गई । जिसमें महाप्रबंधक (एच एस ई) श्री एच एल आर्य ने गृहमंत्री (भारत सरकार), श्री राजनाथ सिंह तथा उप महाप्रबंधक(मानव संसाधन) , श्री ए के भागवती ने श्री संजीव सिंह , निदेशक (रिफाइनरीज) व प्रभारी निदेशक (असम ऑयल डिवीजन) का संदेश उपस्थित सज्जनों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस मौके पर सभी को कार्यालय में हिन्दी में

ज्यादा से ज्यादा काम कर राष्ट्र के प्रति उनकी अपनी जिम्मेदारी निर्वाह करने की सलाह दी गई ।

इस दौरान सभी कर्मचारियों के लिए हिन्दी टिप्पण व प्रारूपण प्रतियोगिता, अनुवाद, नारा, लघु कथा, निबन्ध, आशुभाषण, काव्य पाठ, शब्द पहेली आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं । कर्मचारियों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर इन प्रतियोगिताओं को नवाचार केन्द्र, तकनीकी सेवा विभाग (रिफाइनरी के कर्मचारियों के लिए) और ए ओ डी कैंटीन नम्बर -1 (रिफाइनरी के बाहर के कर्मचारियों के लिए) दो स्थानों पर आयोजित किया गया ।

स्कूली बच्चों के लिए भी देशभक्ति समूह गान, हिन्दी निबंध प्रतियोगिताओं तथा कविता आवृति प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । डिगबोई नराकास सदस्यों के लिए लिखित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिन्हें हिन्दी अहिन्दी दो भागों में बॉटा गया था । इसके अलावा कार्यरत व सेवा निवृत्त शिक्षकों के लिए निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था । इसमें भी प्रतिभागियों को हिन्दी अहिन्दी दो भागों में बॉटकर अलग अलग से पुरस्कृत किया गया था । इन सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 1166 स्कूली बच्चों, अध्यापको, कर्मचारियों आदि ने भाग लिया जो कि ए ओ डी में आज तक का रिकार्ड है ।

हिन्दी माह के उपलक्ष्य में 23 सितम्बर 2014 दिन मंगलवार को अपराह्न 4.30 बजे से हिन्दी माह के उपलक्ष्य में ही एक हास्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया । इसमें डिगबोई के स्थानीय कवियों ने ही हिस्सा लिया हिस्सा लिया । इन सभी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और तालियां बटोरीं ।

हिन्दी माह के दौरन आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करने के लिए दिनांक 25,सितम्बर, 2014 को श्री एके नाथ, मुख्य प्रबंधक (प्रशासन व कल्याण) आई ओ सी एल (ए ओ डी) की अध्यक्षता में हिन्दी

माह पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया । उनके साथ श्री कमल बसुमतारी, मुख्य प्रबंधक (सी ई आर एम) तथा श्रीमती सबीना चौधरी, प्रबंधक तथा हिन्दी माह समिति सचिव भी उपस्थित थीं । मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित श्री बटुक पाण्डेय, सेवानिवृत हिंदी विभागध्यक्ष, डिगबोई महाविद्यालय, डिगबोई ने मंच की शोभा बढाई । इस अवसर पर डिगबोई रिफाइनरी के अधिकारी व गैर-अधिकारी कर्मचारी तथा डिगबोई नगर के गणमान्य शिक्षाविद, पत्रकार व नागरिक तथा स्कूली वच्चे भी उपस्थित थे । इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों तथा मुख्य अतिथि ने अपने अपने विचार प्रकट किए जिसमें उन सभी ने हिन्दी के विकास में हर व्यक्ति को अपनी अपनी भूमिका अदा करने पर जोर दिया ।

इसके उपरांत हिन्दी माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को श्री ए के नाथ, श्री कमल बसुमतारी तथा मुख्य अतिथि श्री बटुक पाण्डेय पुरस्कार प्रदान किए ।

हिन्दी माह समापन समारोह के अवसर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही पत्रिका 'पुरवाई' के तृतीय अंक का विमोचन श्री ए के नाथ, श्री कमल बसुमतारी, श्रीमती सबीना चौधरी तथा मुख्य अतिथि श्री बटुक पाण्डेय के कर कमलों से किया गया किया गया ।

उसके उपरान्त श्रीमती सबीना चौधरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी को धन्यवाद दिया और राष्ट्र–गान के साथ हिन्दी माह पुरस्कार वितरण व समापन समारोह समापन किया गया ।

<u>ए.ओ.डी. में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन</u>

गत् 22.09.2014 (सोमवार) को ए ओ डी के प्रशिक्षण संस्थान में गैरअधिकारी कर्मचारियों के लिए एक एकदिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया,जिसमें विभिन्न विभागों से 15 गैरअधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया I

कार्यशाला का उद्घघाटन करते हुए श्रीमती सबीना चौधुरी, प्रबंधक (सीसी व एच) ने हर तिमाही में आयोजित की जाने वाली कार्यशाला का भरपूर लाभ उठाने की बात कही और उम्मीद जताई कि कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने में वे अपना भरपूर सहयोग देंगे ।

मुख्य प्रबंधक (प्रशिक्षण व विकास) ने अपने वक्तव्य में प्रतिभागियों से इस हिंदी कार्यशाला के माध्यम से अपनी हिंदी संबंधी समस्याओं को दूर करने की सलाह दी तथा हिन्दी संबंधित शंकाओं को दूर कर हिंदी के प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के एक उपक्रम के कर्मचारी होने के नाते राजभाषा संबंधित भारत सरकार के आदेशों का पालन करना हमारा कर्तव्य है और उसी के पालन हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया जाता है और इस कार्यशाला में कर्मचारियों को उनके प्रतिदिन किए जाने वाले कार्यालयीन कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी के प्रयोग की जानकारी दी जाती है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम 1963 (यथासंसोधित 1967), राजभाषा नियम 1976 एवं राजभाषा से संबंधित अन्य नीतियों, आदेशों, अनुदेशों तथा प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को हिंदी टिप्पण व प्रारूपण लिखने की कला, अनुवाद तकनीकी, प्रशासनिक व तकनीकी शब्दावली की अभ्यास कराया गया। कार्यशाला में बाह्य संकाय सदस्य के रूप में हिंदी अनुभाग के अवकाशप्राप्त

अधिकारी श्री चन्द्रपाल गोस्वामी ने प्रतिभागियों को राजभाषा से संबंधित नीतियों, आदेशों तथा अनुदेशों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यशाला आंतरिक संकाय सदस्यों के रूप में हिंदी अनुभाग के वरिष्ठ कार्यालय अधीक्षक श्री पी. सिंह ने प्रतिभागियों को मानक देवनागरी लिपि एवं असमिया लिपि में पाए जाने वाले अन्तर को ध्यान में रखकर हिन्दी का प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने हिंदी वर्तनी तथा आसान राजभाषा का प्रयोग करने एवं उसमें उत्पन्न होने वाली समस्यों के समाधान विषय पर व्याख्यान दिया और कनिष्ठ कार्यालय सहायक श्री के.के. छेत्री हिंदी ने प्रशासनिक शब्दों की जानकारी दी। साथ ही सभी प्रतिभागियों को बहुभाषी सॉफ्टवेयर यूनिकोड की सहायता से हिंदी में कार्य कारने की जानकारी भी दी गई। मुख्य प्रबंधक (प्रशिक्षण व विकास) ने सभी प्रतिभागियों से, जो कुछ भी उन्होंने सीखा है, कार्यालय में जोर उसका प्रयोग करने की उम्मीद जताई। श्री पी. सिंह ने कार्यशाला को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया और सारा दिन चलने वाली यह कार्यशाला राष्ट्र गान के साथ समाप्त हुई।